उद्देश्य - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन) के प्रयोगात्मक पक्ष में दक्ष बनाना है ।**संगीत(गायन)**				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
3	**प्रयोगात्मक - 1**	**एम0पी0ए0एम0वी0-103**	**200**	**8**
प्रथम खण्ड	**** मंच प्रदर्शन - 20मिनट का (निम्न रागों में से किसी एक में)*** **इकाई 1** -श्याम कल्याण; **इकाई 3** -अहीरभैरव **इकाई 2** -मारू विहाग; **इकाई 4** -बागेश्री • **मंच प्रदर्शन जिस राग में हो उसमें निम्न चीजे होना आवश्यक है–बड़ा ख्याल (आलाप व तानों सहित), छोटा ख्याल{आलाप व तानों (बोल व आकार) सहित} वतराना ।**			
4	**प्रयोगात्मक - 2**	**एम0पी0ए0एम0वी0-104**	**350**	**14**
प्रथम खण्ड	**** प्रदर्शन – 1*** **इकाई 1** -पूरिया कल्याण; **इकाई 2** -बिहागडा; **इकाई 3** -बैरागी **इकाई 4** -भैरव; **इकाई 5** - केदार; **इकाई 6** -मालकौंस • ***मंच प्रदर्शन के राग एवं प्रदर्शन - 1 के सभी रागों में छोटा ख्याल[आलाप वतान (बोल व आकार) सहित]।***			
द्वितीय खण्ड	****प्रदर्शन - 2एवं तानपुरा मिलाना*** **इकाई 1** -पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में ध्रुवपद (दुगुन, तिगुन वचौगुन) सहित। **इकाई 2** - पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में धमार (दुगुन, तिगुन वचौगुन) सहित । **इकाई 3** -तानपुरे को मिलाने का ज्ञान ।			
तृतीय खण्ड	**** पढन्त एवं मौखिक परीक्षा*** **इकाई 1** -पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों की पढन्त । **इकाई 2** -पाठ्यक्रम की तालों की लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड़) में पढन्त । **इकाई 3** -पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा ।			
राग - श्यामकल्याण , मारू विहाग , अहीर भैरव , बागेश्री , पूरिया कल्याण , बैरागी , बिहागडा , भैरव , केदार व मालकौंस ***ताल - तीनताल , झपताल , एकताल , आडाचारताल , रूपक , चारताल , धमार व 9 मात्रा की ताल***				
सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री - **1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।** **3. डॉ0 लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।** **5. एस0एस0 परान्जपे,भारतीय संगीत का इतिहास**				